

यथाय ॥ एवं वलि ॥ अ मूसा त्रययाय ॥ अ नै गी मू गं ४ लो श्री कल ग ॥ ६
यथाययाय ॥ एवं वलि ॥ आता हनादि ॥ द ह म ऊ नी ग ज म डी द ह य
॥ ॥ धन नि ॥ य वि ला ह द म ना ना ह म डी मान ॥ ॥
म म १ व न म पू अ न ॥ आ ॥ सा ह द आ दि क वा झ ना स ॥ आ ध ना य द
हि का म न ॥ ध्यान ॥ उ व ह्म टि क स का र्ग ॥ वि न य व ड मी लि क ॥ व न

रुपहस्तश्च मूढमालाधरं हन ॥ उर्वक्ष्णत्वा महादव मिष्टकामार्थ
सिद्धिर्द ॥ अञ्जलि ॥ अद्यान् मूलमन्त्रं ॐ हं स ४ मुख्यं अया य अमृता
महाहवनवाय महालक्ष्मीसहिताय सदा निवाय नमः ॥ ॐ वरदा २ ॥ वि
ष्णवे २ ॥ सदा निवाय २ ॥ मार्गनिवादिमासस्था २ ॥ यकाय २ ॥ जगत् २ ॥
सम्यक्सनाय २ ॥ कानादिसफसमूहस्थानम ॥ ॐ त्रिदशलाकल

स्थानम ॥ आदित्यादिनवग्रहस्थानम ॥ अग्निनादिनक्षत्रस्था २ ॥ वि
ष्णुर्हृदिधारगस्था २ ॥ प्रतियदादिनिधिया २ ॥ मखादिष्ठादशना
मिस्था २ ॥ मूर्ध्निर्हृदिस्था २ ॥ गङ्गादिनदीस्थान २ ॥ अष्टात्कामादिअष्टवि
नश्रीवस्था २ ॥ वणिष्ठादिमृषिस्था २ ॥ अनन्तादिअष्टकननागस्था २ ॥
गन्ध २ ॥ विद्याये २ ॥ कलाये २ ॥ निवृत्त्ये २ ॥ प्रतिष्ठाये २ ॥ अहं हं कलवृ

महासतसंभाहनसकलतीर्थमनुदवताकलानतवतवाधियत
यवक्रविष्णु नूजामनआत्मविद्यागिवतवायस्त्री श्रीसंपूर्ण
करुणमूर्त्ययापू॥ अववलि॥ आवाहनादि॥ १५ ॥ नमोऽं ॥
जय॥ काय॥ वलौषधीसकलतीर्थजलनपूरुषसूक्तं यन्त्रवसूसा
हितपुष्टमाली॥ यहूषयागविषयेर्मनिहि ४ प्रहृष्टं लोकोरुतय

गिवहाकिपूतनमामि ॥ ॥ ततः ४ कर्मपूजनं ॥ न्यासं ॥ वांछदया
दिकनामन्यास ॥ आवादिआसनं ॥ उंकारास्रयापू॥ अतः
साक्षात्सतिरादवी॥ यमनागसमप्रसा॥ सर्ववत्तविविधाश्रीः
म्यकारुणविग्रहा॥ अष्टादशकुजादिद्या॥ नानावसध्वीदवी॥ उलाक
नानाविद्यत॥ खड्गयागमूर्तिगद्यगीसवा॥ कपालकूलीगधर्ज॥ वथांगी

अतथा यच्छ नवमस्तु वनप्रद ॥ रुट्की धनू ४ या १३ खर्वा गं सक
मंदेलं ॥ गिरु लं मूज नवीलम गलम हि हन मूहन ॥ दधनी मलु सा रा
या नदी हन वि स र्थिता ॥ य स नी पात का न स र्वा न मृता मृता का रु
वा ॥ वृज अथा वा रु ॥ प्रिय व ॥ उक्ता न्या दि ॥ अ सि तां ग दि ॥ अं अ सि
तां अ हे न वा य या पू ॥ कं नू ॥ अ वं च ॥ अ ट्का ध ॥ अ गं ड न ह ॥ अ

कया लि ॥ अ यं ही प्र ॥ अ गं संहान ॥ अ कं रुट् म हा का ना य या पू ॥ अ
को की रू क य या या य या पू ॥ अ कुं अं कुं निखा स्य रु न म हा रे न वा
य या पू ॥ व लि ॥ आ वा रु ना दि ॥ अ सु गी थी म हा वि या ना
अ य नी अं क ल कं रु का नि का य या य या पू ॥ आ वा रु ना दि ॥
आ नि मू ॥ अ ॥ अ य ॥ ह वा न स का न ॥ अ य ॥ ला का सि दू न व

जव कसमनिही दिव्य सिंदूर वस्त्रांना नालंका व (महारा) प्रणमि नवन
दावे विगर्व प्रणमांना ॥ सिंह स्त्री सोम्य नृपा सकल सुवनधीं सर्व सि
द्धार्य कारीं येला अष्टपूजनीयां सकल रहर्वा रुद्र दर्वी नमामि ॥ ॐ
निकंर पूजा ॥ ॥ अथ ध्यानाशुभ महापात्र पूजन ॥ सकाव हकाव
पूजन ॥ वलि ॥ आवाहन ॥ यानिमूढा ॥ वाकसया यशवसा धनतम

सकल पूजा ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ श्री लक्ष्मी नमः ॥ २

क ॥ ॥ ॥ क्रिससश्वरदाता विसंवनध पूजायाय मान ॥ ॥ विष्णुमल
कनिवजन कमलासनाय पाद ॥ १ वं अग्निमल्ललाय दणकलात्म
नयाय ॥ आधाय ॥ ॥ तमादणकला अग्निर्यथा ॥ १ यं वीक्षा लिखेया
य ॥ १ वं वृं धूं धूमाये माय ॥ १ लं वं कं कपिलाये पाद ॥ १ वं वीं विवि
हं लिखेयाय ॥ १ वं वीं नीलाये पाद ॥ १ वं वीं कं कं दाये पाद ॥

ॐ सं नं नं न काये पापू ॥ ॐ हं नं ॐ अश्वि अश्वे पापू ॥ ॐ लं नं हं ह य वा ह
नाये पापू ॥ ॐ कं नं कं क य वा ह नाये पापू ॥ ॐ नि पा ग क न ॥ ॐ अ
न य का ल ॥ ॥ ॐ सूर्य म लु ला य द ग क ला स न पा पू ॥ ॐ कं हं हं
नं न पि ले पा पू ॥ ॐ रं नं हं नं न पि ले २ ॥ ॐ गं हं हि धूं धूं मा ये २
॥ ॐ घं पं ही मं म वि वे २ ॥ ॐ ढं नं दूं कौ का वि ले २ ॥ ॐ वं धं दूं विं वि

सु ली गि ले २ ॥ ॐ कूं दं हं सूं सूं मा ये २ ॥ ॐ जूं थं हं हा ग दा ये २ ॥
ॐ मं नं हं विं वि लो ये २ ॥ ॐ कूं लं हं वां वा धि नो २ ॥ ॐ टं टं हं धं धा वि
ले २ ॥ ॐ ॐं हं ४ कं क मा ये २ ॥ ॥ य थं न त ना य ॥ ॐ सूं सूं सूं सूं
सूं यं च न त ना य या मि न म ४ ॥ ॥ वं धूं का नू वि ना ना सु र्ग ध त्वा द मा
दि ना व न द यं य न मा द वि अ दि सि दि प्र दा य कं ४ ॥ ॥ ॐ व क्रा उ र व

सुसंस्कृतं, म(ग)मवसमावहं । आयुर्विगमहावाग्यं पीयूषवसमा
वहं ॥ गहं र पाग्ययवय २ संर पाग्ययविग्यं कवू २ स्वाहा ॥ ॥ गता
वि कृति मूदायी पाग्यसाधय ॥ ॥ जी जी कू कू ४ प्रसू व २ घा व २ ग व ग
नू २ प्र व ट २ क ह २ व म २ द म २ घा ट य २ वि घा ट य २ वि घि २ कू कू कू
रू कू जी महा कौ मालिका वि व या इ कां ॥ ॥ ग सं साम म गु ला य धा

उग कला न्न न या इ कां ॥ ॥ गं गं सं गं ग गि न्ये ॥ गं गं सां रं रं दि ले या पू
॥ ॥ गं गं सिं वां वा मा ये या पू ॥ ॥ गं गं सीं गं अ मृ गा ये या पू ॥ ॥ गं गं स्रं कां
काल नू पि ले या पू ॥ ॥ गं गं स्रं स्रं स्रं नू र्थ या पू ॥ ॥ गं गं स्रं प्रं प्रं क टा ये या
पू ॥ ॥ गं गं स्रं वां वा मा ये या पू ॥ ॥ गं गं स्रं सिं सिं नू ये या पू ॥ ॥ ६ स्रं कां का
व क र्ष ले या पू ॥ ॥ गं गं स्रं स्रं प्रं रा ये या पू ॥ ॥ गं गं स्रं विं विं म ला ये या पू ॥ ॥ गं

विवाजिगनरुटकाकृष्णघञ्जय, कपालखट्टागकम्बुजं नीलात्यला
 रुयंविन्दु, वामरुक्मनध्वनिनी ॥ मणिवत्तकगाठाय, सर्वालकावरु
 षिटा, दिव्ययन्त्रासनादवी, दिव्यमानन्दनूपिणि, सर्वसिद्धिकलद
 दवी, सर्वसंयतिदायिनी, लक्ष्मीसौभाग्यमद्विदा ॥ सर्वभामवदवा
 ना, इत्युत्तरं यवमामृतं ॥ एवं क्वात्वा महादवी, वात्रुणी विद्यनूपिणी ॥ क्वा

कृपित्वा नाना ॥ ७ ॥
॥ १८ ॥ निमिषं
कृतं ॥ १९ ॥ नाना ॥ २० ॥

नयाह ॥ कं लला नयाह ॥ नमैवकम
नयक ॥ यजान् ॥ नुं पादययाह ॥ १

स्वसहस्रितं॥ प्रवृत्तं नवान्मानं मण्डलं नमः मण्डलं च आथ यक ४४ य
कान्मा कि प्रसिद्धा कि मान व ४४ तिनवा ह्या नमः विविक्तय
॥ गुरुति ॥ ३॥ आनन्दं कि हेववानन्दवी वाधियतय ४४ पाप
॥ ३॥ ॐ महापु ४४ जायु नमः मण्डलं श्री कृष्णिकाये पाप ॥ ३॥ ॐ ४४ वं म
हापु जायु नमः मण्डलं श्री कृष्णिकाये पाप ॥ ३॥ ॐ ४४ वं म

द्वे पाप ॥ ३॥ ॐ ४४ यवमण्डलं श्री कृष्णिकाये पाप ॥ ३॥ ॐ ४४ यव
मण्डलं श्री कृष्णिकाये पाप ॥ ३॥ ॐ ४४ यवमण्डलं श्री कृष्णिकाये पाप ॥ ३॥
श्री विद्यागण्डुमण्डलं यवमण्डलं श्री कृष्णिकाये पाप ॥ ३॥ श्री कृष्णिकाये पाप
नापाप ॥ ॥ श्री कृष्णिकाये पाप ॥ ३॥ श्री कृष्णिकाये पाप ॥ ३॥ श्री विज
याये पाप ॥ ३॥ श्री कृष्णिकाये पाप ॥ ३॥ श्री विजयाये पाप ॥ ३॥

॥ ततो वाक्कमलुन पूजन ॥ ग्रीही हंसा की तया पू ॥ ग्रीही यंसा कानी त
या पू ॥ ग्रीही न विद्या ये या पू ॥ ग्रीही लं निवृद्धि हय या पू ॥ ग्रीही वं प्रति
स्था ये या पू ॥ ग्रीही कल हे न वा य या पू ॥ ग्रीही कल नाथ हे न वा य या पू ॥
ग्रीही कल उ व नू हे न वा य या पू ॥ ग्रीही कल क पाठ हे न वा य या पू ॥ ग्री
ही कल आहू हे न वा य या पू ॥ ग्रीही कल आहू दवी या पू ॥ ॥ पून वा

कमल ॥ ग्रीही कौं कौं कू ४ कू य या ला य या पू ॥ ग्रीही गं गी गूं ग ४ ८ हूं ग्री
कल ग ४ ग्व ना य या पू ॥ ग्रीही जी कल पू उ व द क ना थ य या पू ॥ ग्रीही
महा कौ मा वी का वि च या पू ॥ ग्रीही आनन्द ग कि हे न वा नन्द वी वा धिय
तय हूं हूं आनन्द ग कि हे न वा नन्द वी महा विद्या वा ऊ ग्व नी हूं
ग्रीन हूं हूं वा मा गु नू मलुन रु द व क या पू ॥ पून गु ऊ लि ॥ ॥

अथान वडा वली जी ॥ क्रां द द या दि ॥ वलि ॥ १ समस्त मनु पीरि संहार
न पी ० पी ० य पी ० क्रिया य क्रय. संदा ४ ५ संदा रुदि व सिद्धि समय
क्रया य ॥ १ उ कौ नू कं य कि शि ह सर्व धी द द या य पा य ॥ १ श्री
नवा त्मा रु द वा का य ० द ने वा र्ध वलि गृह २ स्वाहा ॥ अन्य न ॥ म
कुल वलि द या ॥ आवाह नादि ॥ प्रि गूल या नि मू डी द र्भ य ॥ वि

नृ प्रिय ॥ नू ति धी य ग्नि म अ वा मा ये धी यु नू म ल द वा र्च न ॥ ॥
अथान १ सं य व क्रामि क म्मा र्च न समा ल रु ॥ अ उ गं द द या दि अ
वति जी न्या सं का व य ॥ अ न्ति न्या सं त थ द्या न. द द ग अं य उ क क
मालिनी ग द नू जी अ १ य य ति व ल य अ क ॥ न वा न्मा न म धा वा रु
षा रा ॥ व वि वि य या ॥ द्या वा रु कं वि र व अ म. का रु नी वी ग य अ क

आदिषट्कं वन्या सादि धातुन्या समुदाहृतं । एते न्यासैर्विनादवि
नहिकर्माच्चैर्नैरुव ॥ कमालावकलदीया ववलावकलवृषिका ॥ म
हकाविकाककनाख्या कनायकनियञ्जय ॥ तत आसनादिन्यास
कावय ॥ ॥ ॐ कौं कौं कूँ कूँ कौं कूँ ४ वज्रमण्डलवज्रवी श्रुमाद्यमहाद्यावग
गदाविद्युद्वधयश्चैरुह्य कौं वाजासनं कूँ पादू ॥ स्वासन ॥ १ कौं कौं मारुत

मण्डलसाधनी तजस्विनी कूँ रुह्य कौं ॥ ह्यर्था र्घ्य ॥ जनमा रुगवति हत कमाला
ये कौं श्री श्रुष्टाखी पादू ॥ जनमावगवती हत कमलाये हत दयाय पादू ॥ जन
मारुगवती हत कमलाये कूँ रुह्य कालिकाये पादू ॥ षष्ठं न्यासमहाया
नकन्यासाय वलिष्ठक २ स्वाहा ॥ ॥ नमावतिणी न्यास ॥ १ नै वं अये गिरवा
य पादू ॥ लिङ्ग ॥ मं घ अये गिरव पादू ॥ कया ल ॥ १ हं महानासाये लला

८ या पू॥ का सा त॥ ॐ गं सु सु खे द क न य या पू॥ जडा मिखा॥ ॐ वं इ मू खे वा
म न य या पू॥ खडा मिखा॥ ॐ ये व ला ये ना सा यी या पू॥ का स वा॥ ॐ हुं न व खे
सू ख या पू॥ खान॥ ॐ कं प्र ध मा ये द क क र्ण या पू॥ जडा क स या त॥ ॐ किं धा
वा ये वा म क र्ण या पू॥ खडा क स या त॥ ॐ कां सो म्या ये वि व क या पू॥ म न॥
ॐ ही मा ये क र्ण या पू॥ क थ॥ ॐ कां म हा व ला ये ह द या य या पू॥ न ग न॥ ॐ

कां ज या ये द क क न य या पू॥ जडा इ इ॥ ॐ हुं वि ज या ये वा म क न य या पू॥ खडा
इ इ॥ ॐ धां अ जि ता ये द क क र्ण या पू॥ जडा या का॥ ॐ वं अ य ना जि ता ये वा म
क र्ण या पू॥ खडा या का॥ ॐ अं म हा त्क टा ये ना रो या पू॥ न र॥ ॐ धां वि त्र या
त्रे लि ग मूल या पू॥ लिं ग॥ ॐ वं उ का ये गु र या पू॥ का स॥ ॐ अं आ का ण मा
रु का ये अ र्ण या पू॥ मा र्ग॥ ॐ धां स हा ये द क जा नू नि या पू॥ जडा पू र॥ ॐ

वांजात हाथे वाम जानू निया पू॥ खडा पूवा॥ ३ मूंड धुल्यो द कया दया पू॥ अडा
या ६॥ ३ खिं छु क व व ल्ये वाम या द पू पू॥ खडा वा ल ॥ ३ कं पि पी लिका ये चो न कू
य या पू॥ मि खा गा ल ॥ ३ कं पी पृ थ हा थो द क स्कं ध या पू॥ अडा वा हा ॥ ३ किं अ नि
ये वाम स्कं ध या पू॥ खडा वा हा ॥ ३ लिं ग स्य हा थो द क या ह्य या पू॥ अडा व का ॥
३ कं रू द का ल्ये वाम या ह्य या पू॥ ३ खडा व का ॥ ३ लिं सूर द थो थि क या पू॥ मि स हा

॥ ३ विं रु द शी मा ये या द न या पू॥ व स या ल ॥ ३ चं सूरु डि का ये या द ग ल या पू
॥ न खं या लि ग ल स ॥ दा पिं ग म क न न्या स मि दं व लिं ग द २ स्वा हा ॥ ३ नि व नी गि न्या
स ॥ २ ॥ ग मा दा द ग म न्या स ॥ ३ सूं सि द्रा ये या द द थ या पू॥ न खं या ६॥ ३ सूं
अ द्रा ये जानू द थ या पू॥ वा ख न न खं ॥ ३ सिं वि यू ता ये डू वू द थ या पू॥ व स ज
डा ख डा ॥ ३ सूं ल की छु क या पू॥ लिं ग स ॥ ३ सूं दी का ये ना रो या पू॥ न द ॥

ॐ ह्रीं मालिनीयै हृदयपाय ॥ नूगल ॥ ॐ ह्रीं निवाये कलपाय ॥ कं १० ॥ ॐ ह्रीं
वसुमखायै मुखपाय ॥ ॐ ह्रीं कास ॥ ॐ ह्रीं नासा मुखपायै नासायुते हृदयपा
य ॥ कास ॐ ह्रीं कटुकायै कर्णपाय ॥ ॐ ह्रीं कटुकायै कर्णपाय ॥ ॐ ह्रीं कटुकायै कर्णपाय ॥
ॐ ह्रीं हृदिकायै हृदिकाय ॥ कातिकास ॥ ॐ ह्रीं ४ मुखन सह निवसि पाय
॥ सिनस ॥ ॐ ह्रीं दादनायै दादनाय ॥ दादनायै दादनाय ॥ दादनायै दादनाय ॥

पातकनाशनिदवलिङ्गक २ स्वाहा ॥ ३ ॥ ॥ तता घटुमनास ॥ ॐ ह्रीं सर्वहा
तायै हृदयनमः ॥ नूगल ॥ ॐ ह्रीं अमृतमजामालिनीरूपो निवस स्वाहा ॥ क
पालस ॥ ॐ ह्रीं अवदवदनि अनादिवाधनि निखायै वट् ॥ वलिङ्गल ॥ ॐ ह्रीं व
जनीवज्रधवायै सुमक्तकववायै ॥ कवव ॥ ॐ ह्रीं गाम्बानि एतल्लुफगकि
४ सह प्रगजसा निग विनय रूप नय ययाय वीषट् ॥ मिखास ॥ ॐ ह्रीं ४ नम

[illegible]

पा॥ स्व उवाच ॥ ॐ विद्याये उह व निवा मालाय यायू ॥ --- ॥ ॐ ॐ ॐ यधि
 म निवा मालाय यायू ॥ लिङ नः क्व ॥ ॐ च वा मू अ ये पि ती य न य यायू ॥ मि
 खा ॥ ॐ धं प्रिय द र्श ना ये न य द य यायू ॥ मि खा न ख ॥ ॐ न ना वा य ॥ ॐ क र्त्तु द
 य यायू ॥ क य या न न ख ॥ ॐ उ मा ह न्ये द कि ट क र्त्तु रू घ ॥ ॐ ॐ ॐ
 क स ना द ॥ ॐ उ प्र ह्ना ये वा म क र्त्तु रू घ ॥ ॐ ॐ ॐ क स ना द ॥ ॐ ॐ

उक्तगच्छिनासायुठदययापू॥ कासय ॥ अवं वडाववकुयापू॥ रव
नस ॥ अकं कटायेदङ्गादययापू॥ धनवानरवथजनकान ॥ अरवका
लिकायेडईदगनयकीयापू॥ थथूवा ॥ अगं निवायेसूखादगन
यकीयापू॥ काथूवा ॥ अघं घाघायेडडोष्टयापू॥ थथूकउसि ॥ अ
दं विनायेसूधवाष्टयापू॥ काथूकउसि ॥ अनीमायादयेजिक्कारयया

पू॥ मवा ॥ अं अं वागीष्टयेवावायीयापू॥ कूउ ॥ अवं निखिवाहल्येक
येयापू॥ कथ ॥ अरं हीषायेदकिगवाकूणिखवयापू॥ अजवाहा
अयं वायूवगयेवामवाकूणिखवयापू॥ खडावाहा ॥ अउं मालायेद
किगवाकूदयेयापू॥ अजवाहाका ॥ अदं विनायकायेवामवाकूदये
यापू॥ खडावाहाका ॥ अं पुरुमायेकनगलदययापू॥ नरववाहागा

ॐ संसं का विष्णो दक्षिण क बाहु लो पा पू ॥ अउ य वि ॥ ॐ अं कूड न्य वा
म क बाहु लो पा पू ॥ खउ य वि ॥ ॐ वं दी पि न्यो गूल दधु दक्षिण हस्त या
पू ॥ चूला न खं ॥ ॐ अं अय ल्यो दक्षि हस्त या पू ॥ अउ बा हाग ॥ ॐ टं क
पालि न्यो वा म हस्त या पू ॥ खउ बा हाग ॥ ॐ यं या व न्यो ह दि म (अ) या पू ॥
नू ग ल ॥ ॐ हं अमि का ये या ध क्षा व या पू ॥ ग रू का ॥ ॐ सं स र्वात्म न

दक्षिण या र्थ स्त या पू ॥ ग रू या अउ ॥ ॐ अं ४ ग स्ते वा म या र्थ या पू ॥ ख
उ ग रू ॥ ॐ अं का ग ल्यो दक्षिण स्त न या पू ॥ अउ इ ॥ ॐ लं यूठ ना ये वा मः
स्त न या पू ॥ खउ इ ॥ ॐ अं अमा ल्यो य द द्य या पू ॥ नू ग ल अउ खउ ॥
ॐ अं ली वा द यो उ द व या पू ॥ घाग ॥ ॐ अं संह विष्णो या पू ॥ नाही ॥ ॐ सं स
ह का ल्यो नि ग म्ब वा पू ॥ यन ॥ ॐ सं कू स्त मा यू धा ये उ क्क या पू ॥ लिंग ॥ ॐ

ॐ शुक्रादशेषु कृपाय ॥ वीजस ॥ गं नानादशेषु कृपाय ॥ खनज
॥ खडा ॥ गं वं हानाये दक्षिणानू नियाय ॥ गडा पून ॥ गं वं क्रियाये वा
मजानू नियाय ॥ खडा पूवि ॥ गं डां गमयये दक्षिणानू नियाय ॥ गडा खनया
॥ गं डां सावित्री वामजं धयाय ॥ खडा खनया ॥ गं दं दहने दक्षिणया दया
य ॥ गं डां पा ॥ गं दं दहने वामया दयाय ॥ खडा पा ॥ गं न हयम

लवनयूं मालिनी न्यासरुक्मालिकाययाय ॥ मालिनी न्यासरुक्महत्या
महायातकनाशमिदं वलिं कुरु स्वाहा ॥ १ ॥ तनाशदवाणी न्यास ॥
ॐ श्री क ॥ ललातयाय ॥ कया ल ॥ ॐ ॥ अं न कं मं लव
कृपाय ॥ खनय ॥ ॐ ॥ सु श्री गं दक्षिणनययाय ॥ गडा मिखा ॥ ॐ ॥ श्री वि
मूर्तिगं वामनययाय ॥ खडा मिखा ॥ ॐ ॥ अं मलीगं दक्षिण कर्णयाय ॥

अडाक्रसयाग॥ अडुं अर्घी गवामक (लु) यापू॥ खडाक्रसयाग॥ अंसं निधा
गदकिग नासापूठयापू॥ अडाक्रसया॥ अंसं हावरुति गवामना गपू
ठयापू॥ खडाक्रसया॥ अडुं स्का ली गदकिग ग (लु) यापू॥ अडावका॥ अडुं
वसवामग (लु) यापू॥ खडावका॥ अडुं मंटी ग अ (ध) दग न प को यापू॥ का
थूवा॥ अडुं हू गी ग डु डु दग न प को यापू॥ थथूवा॥ अडुं स या जा ग ग अ

धनाष्टयापू॥ काथूक्रुसि॥ अडुं अनू गरी ग डु डु ष्टयापू॥ थथूक्रुसि॥
अअक्रु व ग गालूम (ध) यापू॥ मस॥ अअं ४ महासन ग जि का यी यापू॥
वम॥ अकं काधी गदकिग स्क (ध) यापू॥ अडावाहा॥ अखं वली गदकि
ग वा रु द (लु) यापू॥ खडावाहा॥ अगं प्रव (लु) गदकिग ह रु म निव (ध) या
पू॥ अडावूल्या॥ अघं गि व गदकिग याणी यापू॥ अडा॥ ॥ अडुं एकवू

दक्षदक्षिणहस्तकनाडुलोयापू॥ जउअंगुलास॥ अवंकर्मणवामस्कः
धयापू॥ खडावाहा॥ अकं चकनयणवामवाकदधुयापू॥ खडावाहा
का॥ अजं वधुर्मखणवामहस्तमणिवंधयापू॥ खडावल्या॥ अमं कू
जणवामयालोयापू॥ खडाकायना॥ अकं लर्मणवामहस्तकनाडुलोया
पू॥ खडाअंगुला॥ अटं सामयवदक्षिणहीवायापू॥ जउयाका॥ अं

लाडुलीणदक्षिणोवूवाटयापू॥ जउअल॥ अं दानूकणदक्षिणजा
नूतिपापू॥ जउपू॥ अं अर्धनावीणदक्षिणजंघाययापू॥ जउखल॥
अं उमाकान्णदक्षिणयादयापू॥ जउपू॥ अं अखाटीणवामहि
वायापू॥ खडायाका॥ अं धं दलीणवामानूवाटयापू॥ खडायातिअंगुलि
॥ अं धं मणीणवामजानूतिपापू॥ खडापू॥ अं धं मीनणवामजंघाययापू॥

खडा ज न ॥ ज नं म ध ग वा म या द या पू ॥ खडा या लि ॥ ज यं ला हि न ग द कि
न पा र्श्व या पू ॥ ज ज य न वा ॥ ग रं हि ख ग वा म या र्श्व या पू ॥ ख ज य न वा ॥
ग वं क ग ल ॥ उ ग पृ ष्ठ वं ॥ ग या पू ॥ ति न क वा ॥ ग रं द्वि न गं ॥ उ ग ना हि म ॥
या पू ॥ न द ॥ ग म म हा का ल ग ॥ ह दि म ॥ अ या पू ॥ न ग ल ॥ ज यं वा ली ग ॥
ख द्रा ॥ अ या पू ॥ वि ॥ ज नं उ ज ग ग त क या पू ॥ लि ॥ ग ॥ ग लं पि ना कि ग

मी स या पू ॥ न द ॥ ग वं ख ज न न द ग स्त्रा य म ॥ अ या पू ॥ कं ॥ ७ ॥ ग रं ग व का
न न द ग अ स्त्रि नि म ॥ अ या पू ॥ का ग स ॥ ग रं गि ता न न द ग म र्जा यी या पू ॥ उ उ
स्त्र ग ॥ ग रं ग र्गी ग अ क या पू ॥ वि र्ज स ॥ ग रं ली ग ली ग वा ग म धा व या पू ॥
ह द य ॥ ग रं ४ स र्ग का ध ग या दा यु ष्ठ द य य न्नि म ॥ अ या पू ॥ उ ति न र व ॥
ग द वा ली हे न व र कौ दा व का य या पू ॥ ग द वा लि न्या ग म द्वि ह

ये वा मञ्जुपात्र ॥ खडा लाहात ॥ ॐ क्रीं ह्रीं क्लीं वामनाये दक्षिणे न
पादपात्र ॥ ॐ उपाया ॐ उपा ॥ ॐ क्रीं ह्रीं विवहस्त्री विवनाये वामा नूपाय पा
त्र ॥ खडा पाया ॐ उपा ॥ ॐ क्रीं धात्रिका सकन्या सायपात्र ॥ ॐ सर्वा विष्ट इति
त महापात्रक नाभमिदं वलिगुप्त २ खाहा ॥ २ ॥ ततः षड्गुणिन्यास ॥ ॐ का
लिका लि महाकालि मां सः ॥ विनराजति ॥ ॐ क्रीं ह्रीं वक्रकक्षु मुखिदवि

मां मां यन्त्रु न प्रव ४ श्री हृदय दूति हृदय पात्र ॥ नूग ॥ ॐ नमो ह गवति
इष्ट वाञ्छा लि वृषि न मा सं ह क गि क पाल खद्वांग क्ष वि लि ह न २ द ह
२ ध म २ य व २ म म न प्र न य स २ मा न य २ ह्रीं ३ ह्रीं श्री नि वा दू ति नि व सि
स या पू ॥ क पाल स ॥ ॐ क्रीं क्रीं ह्रीं श्री नि खा दू ति नि खा य पा पू ॥ ॐ उहा लि
आ मि म दि आ सर्व पू हृ नि वि ग म्ब दि आ दि नि आ मि उ न्म वि आ सर्व इ

सुहेलकि आशी कवचदूति कवचपापू॥ कडावा॥ अवकवक महानक
वामू (अथ वि) अवतन २ स्वाहा श्री नयपापू॥ मिखा॥ अयुक्क किकि कं
रुट् मम सर्वापदवानयनु मनु तनु वूर्णु प्रयागमदिकानयनचुगान्
कावयितान् कविष्ठा किगान् सर्वान् हुन २ दृष्टा कवालिङ्गं कीङ्गं रुट्
युक्क किकि कं श्री अमुपापू॥ नादा॥ घेदूती दवीपापू॥ अवदूती न्यासा

७ अङ्कय कामनार्थं मिदं वलिगृह्ण २ स्वाहा॥ ॥ गतावलययश्चकं न्या
स॥ अवामीश्वरी स्तुतवत्तगगतलाकरागगर्गममिनी गगतलाक अमृत
संश्रविणी गगतानंददवगगलाम्बा वयु ४ वल्लिलककाटि सिद्ध वयु ४ व
ल्लिलककाटि यागिनी मूर्ध्नि पापू॥ वसुपालागमायायस्तु नललाक स्व
र्गलाकरागगर्गममिनी स्वर्गलाक अमृत संश्रविनी स्वर्गानंददवसु

ममवावगीगलककाटिसिद्धवतीगलककाटियागिनीललातयापू॥आसात
॥७॥माहनीसुंनलपवनलाकशाग.गर्हगमिनीयवनलाकअमृतसंवावि
लीयवनानन्ददव.यवनाम्वाधाउगलककाटिसिद्धवाउगलककाटिया
गिनीददययापू॥नूगव॥३॥आहानन्दयसुंनलमर्त्यलाकशाग.गर्हगम
मिनी.मर्त्यलाकअमृतसंवालिनी.मर्त्यानन्ददव.मर्त्यमिवाअमृतककाटि

सिद्धअमृतककाटियागिनीनाहोयापू॥गहा॥३॥क्रीमयपीसुंनलनागला
कशाग.गर्हगममिनी.नागलाकअमृतसंवालिनी.नागानन्ददवनाग
म्वावहाविलककाटिसिद्ध.वहाविलकाटियागिनीयुक्कयापू॥४॥क॥३॥
क्रीसुंनलसुंनलीलअनकलाक.शाग.गर्हगममिनीअनक.लाकअमृत
संवाविनी.अनकानन्ददव.अनकीवाअनकलककाटिसिद्धअनकल

विधि २६ ३ रुद्र अस्त्राय पाप ॥ ॐ अघा ना हर क न्या सा दि म हा पा न क ना ण
न मि द व लिं ग प्र क र खा हा ॥ ॥ ग ग न वा मी न्या स ॥ ॐ अं अस्त्राय पा इ
का प ॥ ॐ मं ह द या य पा प ॥ ॐ कं गि त्र स्य पा प ॥ ॐ लं गि षा य पा इ ॥ ॐ नं
क व वा य पा प ॥ ॐ जं न या य पा प ॥ ॐ अं ४ अस्त्राय पा प ॥ ॐ हं गि षा क्कान
पा प ॥ ॐ गि त्र क्कान पा प ॥ ॐ कं ल ला ठ क्कान पा इ ॥ ॐ मं व क्कान पा प

को ॥ ॐ लं ह द य क्कान पा प ॥ ॐ वं ना रि क्कान पा प ॥ ॐ नं उ क्कान पा प ॥
ॐ नं उ क्कान पा प ॥ ॐ यं जा ना क्कान पा प ॥ ॐ उं पा द क्कान पा प ॥ ॐ
न वा ल्मा न्या सा दि म हा पा न क ना सा य मि द व लिं ग प्र क र खा हा ॥
ॐ गं संह द या य पा प ॥ ॐ कं मं गि त्र स्य पा इ को ॥ ॐ लं वं सि षा य पा प ॥ ॐ
नं वं क व वा य पा प ॥ ॐ जं न या य पा प ॥ ॐ सं अं अस्त्राय पा प ॥ ॐ ति

तगा। उरूप कि पूजा ॥ त्रिंग गगनानन्ददवपापू ॥ गगर्ह मूकानन्ददवपापू ॥ अ
 जीजनन्ददवपापू ॥ असाकानन्ददवपापू ॥ अआनन्ददवपापू ॥ असहजा
 नन्ददवपापू ॥ अटीकानन्ददवपापू ॥ अधनसानन्ददवपापू ॥ अदवानन्दव
 वपापू ॥ अयद्यसानन्ददवपापू ॥ अअपरासानन्ददवपापू ॥ अमू। उरूप
 किरुक्कालिकार्यपापू ॥ आवाहनादि ॥ वलि ॥ (धनमूडादर्नय) ॥ ॥

२२२४ I

लं अं वक्राती विञ्चयापू॥ वलि॥ अद्यान अमाघ वनद विमल कं माह न्यथे
यापू॥ १ अद्यान अमाघ वनद विमल चं को माथे यापू॥ १ अद्यान अमा
घ वनद विमल तं वेष्टु वी विञ्चयापू॥ १ अद्यान अमाग वनद विमल टं वा
ना अ विञ्चयापू॥ १ अद्यान अमाग वनद विमल यं श्री नू दायनी विञ्चया
पू॥ १ अद्यान अमाग वनद विमल यं श्री वाम अ विञ्चयापू॥ १ अद्यान

अमाग वनद विमल ङं श्री महा ल श्री विञ्चयापू॥ आवाहनादि॥ हसम
डा॥ अरयमूडा॥ तर्जनी मूडा॥ गुजमूडा॥ कावमूडा॥ हाकि मूडा॥ व्रजम
डा॥ रुयमूडा॥ वलि॥ १ कौं कौं कयया ला॥ १ यामा कालाय वलि गुरु
खाहा॥ माहा कालाय वलि गुरु २ खाहा॥ १ यक शिखरु जागि वलि गुरु २ खा
हा॥ ॥ तगा रुग वति पूजन॥ १ यमा लाय यापू॥ १ यमा लाय यापू॥ १

[illegible]

दधनस्यापाप॥ गं मुं श्री सिद्धि वाम ॥ शुभ वी वलिं गृह २ स्वाहा ॥ हृदयादि ॥ आ
 वाहनादि ॥ मज्जादर्शय ॥ ॥ गंगावागम्य वी पूजनं ॥ उं गं विं किं टी कं हृद
 यायमाप ॥ गं यं कं टि कं गिरस्य स्वाहा ॥ गं कूट कू लु कं गिषाय वा घट
 पा ॥ गं वागम्य वी कं कवचाय कू पा ॥ गं कूट मरुता वि काय कं नयाय वा
 घट पा ॥ गं विं कं गं कू यरू पाप ॥ गं विं कं टि विं कं टि कूट व क लु वा

गणेश्वरी चर्च महत्ता वीकाय विवर्धयाम् ॥ गहं र सैर ॥ अघान वज्रवती गीप्रय ॥
आवाहनादि ॥ मूडा ॥ ॥ गंगा कर्मचिनं ॥ कर्म पूजा ॥ ग आधना यष्ट पूरु
कासन ॥ ग वन्दु गुलाधियतय उक्र प्रतासनया ॥ ग सूर्य मंगुलाधियतय
विभू प्रतासनया पू ॥ ग अग्नि मंगुलाधियतय नूद प्रतासनया पू ॥ ग ग
कि मंगुलाधियतय नूी श्व प्रतासनया पू ॥ ग धाम मंगुलाधियतय सदा

निवप्रतासनया पू ॥ ग वृषासनया पू ॥ ग सिंहसनया पू ॥ ग कौवक्रिप्रतास
नया पू ॥ ग गाम्भान ॥ ग नील ४ पञ्चम नूमानुत्प नूद्वय यष्ट सैरिग ४ दिन
सूर्य दक्षिणा वत्स सूर्य सि वरिग ४ वक्रि नाहि सि ता राज कता सुष्ठु तिह वव
४ कादा बाला कया प्रोष्ठ काशी कष्टि हास्य वास ॥ विरु कर्त वक्र धर्ज दान व
दक वा रुहि ४ पात्रि जाग गाय माला पूरु कारु यक कवे ४ ॥ अन्य दारु दया ली

व. क व व म्माष्टमवियह ॥ दवाष्टमममनव. सदेवसल्लितानवध ॥ नीला
 अनसमप्रथा. कृत्तिरूपामहादनी. मधकाद्यादगुगा. सय्यास्ति नतवः
 श्रिता ॥ मूलमालाधनानोडी. दंष्ट्राकनालिकानना ॥ अष्टादशम्यकादवी. व
 र्वनाईना नूहा ॥ आद्यवर्मयनीधाना. सिंहवर्मालुनीयका. दियारुनलरुवा
 म्. दादहासास्यहासिनी ॥ तस्या ४ पीठजलवर्क. मूलनस्यामसुनि र्वद
 लि २

द्विषकसुवर्णव. तत्समूखप्रदलित ॥ पूर्ववर्कहवडक. मीणजंरुटि
 कायम. सहप्रसूर्यसंकाश. मूर्धवर्कयनाश्रित ॥ सर्वदंष्ट्राकलालीनः
 वक्रानूकानिसंमुतात्रिणलवक्रवक्रानि अंकुशसवकलिक. दक्षिण
 वामतादया. त्रीलायलसतावर्क ॥ अन्यश्च मूलप्रवर्ग. यथापूरकधन
 सुथा. कपालवामताप्रार्क. सिंहसुनसवासनी ॥ कर्मक्षानपूर्यनमभ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय श्रीमहादेव कृष्णपाल श्रीकृष्ण गणेश उति यानन्द
महामुख लयी १० उति यान्वा दवी श्री उति गनाथ दव श्रीवका म्बाद
वी श्री आभारी म्भनन्द दव श्री कृष्ण विमहना विहक श्री कदम्ब कृष्ण
श्री उदय गिरि पर्वत श्री वदूकनाथ कृष्णपाल यद श्री कृष्ण कानन्द दव
पापू ॥ म ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय श्रीसुगन्धि कृष्णपाल श्री उगा

यूग श्री जालंधर महामुखायी १० श्री जालाम्बा दवी श्री जाली गनाथ द
व श्री कलाम्बा दवी श्री कृष्ण गी म्भनन्द दव श्री कृष्ण विमहना विहक श्री
कीवहक श्री हिमविनियर्वत श्री यमदुख कृष्णपाल यद श्री कृष्ण कान
न्द दव पापू ॥ दक्षिण ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय श्री लाल कृष्ण
ल श्री वायव्य यूग श्री पूर्व गिरि महामुखायी १० श्री पूर्वाम्बा दवी श्री पूर्वा

गनाथदव श्रीवकी गानन्ददव श्रीकृकाविमरुताविका वृक्ष श्रीविशि
नीवृक्ष श्रीगुनवगिवियवर्त श्रीविमलकण्ठयालरूप श्रीकृदिकानन्दद
वयापू। उरुन ॥ ॥ ॐ श्रीवल्ल्हीयधर्मादवी श्रीमहाकायकण्ठयाल श्रीक
लियूग श्रीकामरूपमहामूडापी १० श्रीकामबीजयाम्बादवी श्रीकामी गना
थदव महाकृष्णाम्बादवी श्रीमर्तधी गानन्ददव श्रीकृकाविमरुताविका

वृक्ष श्रीविल्ववृक्ष श्रीसामगिवियवर्त श्रीवज्रदण्डकण्ठयालरूपातीत श्रीकृ
दिकानन्ददवयापू। अरुन ॥ ॥ ॐ श्रीमहावल्ल्हीय श्रीधर्मादवी श्रीमहा
कायकण्ठयाल अवतारयूग श्रीयनायनवर्तमहामूडापी १० श्रीवन्दुः
श्रम्बादवी श्रीवन्दु गनाथदव श्रीसागधि श्रम्बादवी श्रीमर्तधी गानन्दद
व श्रीकृकाविमरुताविका वृक्ष श्रीपात्रिजागवृक्ष श्रीगुप्तगवली श्रीमरूपव

त श्री विजयनाथकृष्णपाल. सर्वथापि सुक्रीष्ण न्याती त श्री कृत्तिका नन्ददव
यापू॥ यशिम॥ अथाफिरुतयश्चर्यी० वलिगृह २ स्वाहा॥ नृतिप्रिकाणपूजा
॥ ॥ तताम॥ अथ उक्तादिपूजा॥ अकं अवनाने. लोथानयी० श्री कृत्तिका
ययापू॥ अखं लेलजालंधनयी० वर्वनाययापू॥ अगं महन्तलेलपूर्यगि
विपी० श्री महताविद्यापू॥ अघं केलासलेलकामरूपयी० श्री कमलाय

यापू॥ नृतिगी० वडुक्क॥ ॥ अहं श्री आदिविमलधीमातङ्गीयापू॥ अवं स
र्वह विमलधीपूलिन्दाययापू॥ अकं श्री थागविमलीशर्वनाययापू॥ अ
जं सिद्धिविमलवंयकाययापू॥ अमं समयविमलधी कृत्तिकाययापू
॥ नृतिविमलयश्चक॥ अमाविनयापू॥ अमालिनीकाययापू॥ अवलाका
ययापू॥ अमाहाकाययापू॥ अगुहाकाययापू॥ अग्राहादवीयापू॥ अग

वनायपापू॥ गखवनायपापू॥ गखवनायपापू॥ ग निजायपापू॥ ग
सुग्रायपापू॥ ग आहास्तानग मूखायपापू॥ ग उहं म हं गा वि कायजो
हं कलाधि सांसी हं मूं विगुधिसाकि नि यव कहिं पु विख मी सान
ददवपापू॥ ग उघा ३ न अघा न अघा नामूखी वरु नूपा यऊ हं मला
ध कां कां हं मूं अनाहं त काकि नी य गु न पु वि विष्म न ददव पापू

ग कां कां हं वव न निख हं हं वधुधि लं लं लं लं मनि पूवला किय म
हापु विम मं विम न ददव पापू॥ ग हं क किका ३ ये कल दी पाये कां ह
पदा ध नो नो हं मूं खा विस्तान नाकि नी य धी पूनी अनू ग ही नू न दद
वपापू॥ ग म ३ मा ह ग वती ह त कमलाये कां हं उवना धि जं जं हं
मूं आधन काकि नि य मनी पु वि मिथान न ददव पापू॥ ग उं कि नी २ वि उं

[illegible]

ॐ विदुत्सालाय पापू ॥ ॐ धाविनय पापू ॥ ॐ विंगलाय पापू ॥ ॐ सुदृष्टाय
पापू ॥ ॐ निर्मालाय पापू ॥ ॐ निर्विकलाय पापू ॥ ॐ निबालम्बाय पापू ॥
ॐ निर्वजनाय पापू ॥ ॐ सोम्याय पापू ॥ ॐ महावलाय पापू ॥ ॐ वाधाय
पापू ॥ ॐ वाधवती पापू ॥ ॐ लीलाय पापू ॥ ॐ लालाय पापू ॥ ॐ हलाय पा
पू ॥ ॐ निरामयाय पापू ॥ ॐ रुक्मिकाय पापू ॥ ॐ रुक्मिकानन्दव पापू

ॐ करे नवाय पापू॥ गव कज म उर, व व र्म ४ क ७ का ला पू न उ हा य को
माये क व टि नी काय जा म्य कू कि काय उ करे नवाय पापू॥ ग ८ ७ उ उ
८ ८ व र्म ह दि अ ह हा स म घो ये, वे हू वी हु न सि दि, घ टि नु ने अ ह कू कि काय म
करे नवाय पापू॥ ग ग थ द ध न, ग व र्म, ना हू अ ये ह्या पू नी ० खा ये वा वा हि, वा
वि काय क ७ कि वा नू न कू कि काय ० करे नवाय पा॥ अ य रु व र म, य व र्म

अ क व र्मि काय उ काय, ॐ उा य नी कि वि कि लाय वा यू य कू कि काय उ क
न रे नवाय पापू॥ अ य न ल व, य व र्म जा ना उ का ल उा वा, वा मू अ य क ल लाः
दि दि पि का को व नी, कू कि काय उा करे नवाय पापू॥ ग ग व स, ग व र्म या द द
वी का हू अ हा य, म हा ल की हा नी का हू क नी ग न कू कि काय अ क न रे न
वाय पापू॥ मू ल म कू न अ व म न मू डी द र्ग य ग॥ ॥ ॐ ग ग ना न न द द व

पाइ॥ श्री कृष्णानन्ददवया ॥ श्री यमानन्ददवया ॥ श्री रेववानन्ददवया ॥
शिवानन्ददवया ॥ श्री रामानन्ददवया ॥ श्री कृष्णानन्ददवया ॥ श्री ति
नडानाथ अष्टकृत आवसमूहा ॥ ॥ श्री सूर्यानन्ददवया ॥ श्री त्रिभुवनन्ददवया
॥ श्री स्ववमानन्ददवया ॥ श्री गर्भसूक्तानन्ददवया ॥ श्री सिंहानन्दद
वया ॥ श्री जयानन्ददवया ॥ श्री विजयानन्ददवया ॥ श्री मिथानन्ददव

या ॥ श्री सूरुखानन्ददवया ॥ श्री विमलानन्ददवया ॥ श्री रक्मानन्ददवया ॥
श्री मूडानन्ददवया ॥ श्री नलानन्ददवया ॥ श्री कसवानन्ददवया ॥ श्री
अमृगानन्ददवया ॥ श्री अज्ञानन्ददवया ॥ अष्टकृतद्वय ॥ आवसमूहा ॥ ॥
श्री अकृताय प्रहसानन्ददवया ॥ श्री कृताय मिथानन्ददवया ॥ श्री कर्षि
कायमथानन्ददवया ॥ श्री कृताय विद्यानन्ददवया ॥ पूर्वदलयीतवपुय

ॐ ॥ ग श्री कृत्वा काय उग्रानन्ददवया ॥ ग श्री सिन्धाय सिन्धानन्ददवया ॥ ग श्री ल
काय विमलानन्ददवया ॥ ग श्री कृतसूत्र्या यैला कानन्ददवया ॥ इति
ॐ वरुदल कुरु पूर्य ॥ ग श्री नका उल्लानन्ददवया ॥ ग श्री म सना रथा य उ
उरुयानन्ददवया ॥ ग श्री विमला अरुयानन्ददवया ॥ ग श्री कटिलायला
कानन्ददवया पू ॥ उरु व वरुद व व क पूर्य ॥ ग श्री वग्म य गू कानन्द

ददवया ॥ ग श्री मना क्वा य यमानन्ददवया ॥ ग श्री उम नायल यानन्दद
वया ॥ ग श्री माहाय विजयानन्ददवया ॥ य शि म वरुद व (व) त पूर्य ॥
अग्र कुरुदय आवमनमूडा ॥ ॥ आभन वरु क कल्यादि ॥ ग अघा वरु का थ द्या
वरु का धा व द्या त वरु रू रू सर्वत ४ सर्व सर्व कू रू स ४ कू नू द वू य क ४ पा पू ॥ ग
वं वरु क किनी कू यैला का कर्मणी की कामा म्मा वणी कू म्मी म हा कार

उक्तान्कयकि शिरुसर्वणीददयायया ॥ ७ ॥ हंरं सं हं अष्टाविंशतिकम
रुदानक ॐ संवलिगृह २ स्वाहा ॥ झाँददयादि ॥ आवाहनादि ॥ धनूयातिम
डां दर्शय ७ ॥ विद्गुयं दत्ता ॥ ॥ ॐ ति अष्टाविंशतिकमार्चनं समाप्त ॥ ॥
गता प्रियञ्जुर्चनं ॥ ३ ॥ आधनसकल्यादि ॥ ७ ॥ यगात्तायं यादकी ॥ धन
॥ ३ ॥ प्रियञ्जु प्रियकां व ॥ दिद्यनूया महादनां ॥ प्रियकेनयनयूकां ॥ मंदि

मानन्दनन्दिता ॥ पूर्वतः ४ सतवर्षा ॥ हिमद्रुदसीतिरुं ॥ प्रसन्नवदनं
सान्ध्यं ॥ किं विलोचननिविद्धं ॥ दिद्यनूय महादनां ॥ यवीकुलुलमधि
ता ॥ नीलमंघसमयकं ॥ नका नूदा रुदनं ॥ दुष्टाकला लनोर्दय ॥ रुति
कुलुलरुषिता ॥ ॐ ॥ लालवदनं ॥ कया लंकृतं संधनं ॥ तृतीयं चार्क
नंदकं ॥ पीता नूदा समंयुतं ॥ हृदिकं किं लनारासी ॥ दिद्यनूय महादनां

नानानलननतातायं, कर्तुं कुरु लरुषिता । मलादिद्य सुताताता, किं विधि
मूकताता लं । दिद्यननननयिमायी, कुरु वास्या विरुषिता । वनमाला मि
ततस्या, वरुणना वलं विनी । द्वादसाई उद्ययता, नानालं काले मधुता ।
विष्णुलं कर्तुं कुरु, दक्षिण वविना जिता । द्रयनं रुं रुं काद्यं, वामयाता
सुलावता । अक्षकालानलं दीयं, ललीलाला सुदसह । वजासनगतायं

वीं, यद्यस्य पतिस्तु तं । यद्यधस्तात्सहायता । नृप नृप रयातकी । उद्यवा
दमहाताता, दद्यानन्य निनीदिकं । दिद्यवस्तु वतादवी, नानायुष्यपसारिता
। दद्यातायमहालागं, माहवक्तुस्यमधुगम । हखलुयनमधुनं, मधुगं
सर्वयातके ॥ अतपुष्यपादकी ॥ ॥ ततायुजतं । त्रैजनमारुगवती नृडा
येरुं यायू ॥ जनमधुमधुयैरुं यायू ॥ त्रैजनमधुकाहामारुगं या

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ज मा या जे ला कृत्त य स ह प्र य नि व र्त्त नी नी दुं या य ॥ ज न द २ दुं या य ॥ ज
कृ ८ २ दुं या य ॥ ज वि नि २ दुं या य ॥ ज हि नि २ दुं या य ॥ ज रि नि २ दुं या य ॥ ज
किं द २ दुं या य ॥ ज ग स नि २ दुं या य ॥ ज ग म नि २ दुं या य ॥ ज वि डा व नि २ दुं
या इ कां य ॥ ज क्क र नि २ दुं या य ॥ ज मा लि नि २ दुं या य ॥ ज सं जी व नि २ दुं या
य ॥ ज ह नि २ दुं या य ॥ ज ग नि २ दुं २ या य ॥ ज घ नि २ दुं या य ॥ ज घ नि ल २

दुं या य ॥ ज न मा मा ह र्त्त दुं या य ॥ कृ ति म नु ख उ ॥ ॥ ज कृं श्री नंद
ख उ मा ह ख उ म नु ख उ वि र्वा ण्म ह द व का य या य ॥ व लि दु ॥ आ वा
रु ना दि वि र्वा ण्म मू डी द र्श य ॥ कृ ति वि र्वा ण्म र्ज न ॥ ॥ अथ मूल स्का
न द वा र्ज न ॥ आ क व र्ग कृ णा दि ॥ ज य श्र य ता स ना य या य ॥ ज च नु म
उ ला धि य न य व म य ता स ना य ॥ ॥ ह र्म म उ ला धि य न य वि र्वा

[illegible]

१ गीखश्चरवीतवायश्च, वनदावनदकि॥ वासखर्वांगलश्च, धनूरु
लकयागक॥ च० कयालवली॥ अरुयहयनागर्न॥ पलीववदि
ताजानी, वाभात॥ चदवगी॥ एकवर्क॥ प्रिनयश्च॥ अत्र॥ बर्षुवलि
गा॥ द्विजुजावनदादक, सिंहस्वावा॥ हयसूयसू, नानाहननेसाणादा
सर्वलकनेसङ्गा॥ हेनवानन्दतूपाय, क० क० क० क० कीर्ति॥ एवंधा

हामरादवी. विषसिद्धिमानवा ॥ इति मूलस्त्रोत्रं नमः ॥
अद्यावत्तु वदति गी ॥ गी जया ये पाद ॥ गी विजया ये ॥ गी अजि
ताये ॥ गी अयना जिताये ॥ गी जगन्मो ॥ गी सुमो ॥ गी माह
मो ॥ गी आकर्षणे ॥ इति मूलपत्रम् ॥ ॥ गनमाह गवति कुं क
डिकाये झां झां झां धान अद्यावत् अद्यावत् मूर्खी कां कां किनि २ विषय पाद

॥ गनमाह गवति कुं कडिकाये झां झां झां ८ अद्यावत् अद्यावत् मूर्खी
कां कां किनि २ विषय पाद ॥ गह गवति सिद्धि कुं कुं कडिक झां झां झां
खग धान अद्यावत् अद्यावत् मूर्खी. किनि २ विषय पाद ॥ गिया अशति
॥ गद्या आनन्द गकिरेनवानन्द वीना धियताय सुमी पाद ॥ गद्या आ
नन्द गकिरेनवानन्द गी महाविद्या राजय ॥ गी हंटे गी ॥

लल्लानरुष्टानिकायेस्यगकिमहितायेयायू॥ ॥निर्वाण॥ ॥लोक
महावलि॥ ॥अथवलिप्रदान॥अकवर्तुकांमनूर्ययूलविपुलगर्जातः
वी॥०॥जयसा.महा॥०॥म॥०॥यिपथगगयूतादविहृष्टि॥०॥कलाला॥आवा
र्यसिद्धियागयववविगयवउरुयागीउदयी.यूकंहगप्रगर्कगतलकम
तजादवदवीनमासि॥ ॥गता॥०॥महावलि॥अयारुदियाकविद.दगदि

गिउवनसकयागालभूल.कयायि॥०॥ययी॥०॥विमम.वउ॥०॥य॥०॥मलक
वा.ममन॥सिंधूतीवेककृक॥उदधि.गुरुगट.धूमकालावताव.लाका
र्य.पूरुगिर्था.सकलपूववन.उाडियानप्रभन॥यालारथ.यागमूरु
लयतिनगव.का.मनूर्ययूलविपुलगर्जातः॥अहृष्टि.म.यद.यट.हवव.लालद.॥०॥
द.॥०॥ग्री.लेल.यात्रिजाग.पुगिनिलय.रुमविशावलषू.ग्रीमवी.वीउद.॥०॥

विषय पदयग. लाकिनी साकिनी नी. कास्मी न अंध द. ग. उ. वि. उ. म. ल. य. (०) व.
क्रवाह. कूलक. श्री वाह. हाक द. ग. उ. न. सि. वि. न. ज. य. सि. ह. व. क. य. उ. ह. ल. ॥
कालाखा द. वि. कूट. हि. म. गि. वि. नि. ख. न. का. थि. जाली ध. न. वा. सी. वा. ह. म. ध. द.
ग. रु. यु. व. य. न. व. न. का. ग. ल. वा. क. लि. ग. ॥ क. र्मु. ग. का. क. न. वा. म. ग. ध. य. न. व. न. क. न. य.
क. क. लि. ग. वा. वा. ल. न. ह. स. वा. ह. हि. म. न. ज. य. ट. ल. या. उ. न. वा. म. वा. र. ॥ अ. स्या. ह. मा.

एव क. म. नि. ग. ल. नि. ल. थ. वि. य. ली. उ. लु. व. द. ग. वा. म. न. य. क. वा. र. थ. गि. वि. क. ह.
न. यु. ह. अ. म. द. ग. ह. ना. द. ॥ अ. (ग. म. ह. री. म. ना. द. गि. व. पू. ल. न. ग. न. म. ड. कू. ट. ज. य. र्मा.
शी. वि. म्भ. ए. क. क. य. प्र. व. न. गि. वि. न. ट. य. क. क. म. ह. वृ. ली. का. ॥ वा. ला. ग. स्या. वि. म. ल. वि.
य. थ. म. नि. य. थ. वि. थि. नी. व. लु. य. र्मा. क. या. क. य. ग. उ. (ग. ग. न. व. न. वि. व. न. ख. म.
ख. ट. स. सि. ह. ॥ मी. हा. न. पूर्व. द. ग. गि. यु. व. न. वि. व. न. रु. क. टा. क. न. सि. ह. श्री. वा. ह.

मालवाख्य मन्त्रयगिवित्त. सिंहहाव. पूनवा. काकाव. विष्णुहूट. मथमथन. पून. छ
 ५ मा. गर्जवक २७. म्ल. कान्क मलमाल. मलयगिविष्णु. क. उ. क. वा. रु. पूनवा. ॥ रु.
 डा. अ. मूलमा. गर्जय. यतिनिलय. सिंह. क. रु. ग. ग. ॥ रु. गि. अ. क. धामम. ॥ रु. स.
 व. स. नि. ग. त. ट. ग. क. लाल. रु. ल. वा. याने. जा. अ. उ. जा. वा. विविधवृधनूता. मा. त.
 व. रु. सु. सर्वा. सु. द्वा. ४. सि. द्वा. ४. सु. सि. द्वा. वि. वि. ध. वृ. ध. नू. ता. दि. य. सि. द्वि. द. द. रु. ॥ रु. व. रु.

वामनसिद्धिं यत्र पूज्यते सर्वं भवति । तत्रैव गतिं लब्धुं नृणां विलिख्यते ।
 जयं कुरुते यश्च दिव्यं दीर्घायुषं कवित्वं निधिवत्सुखं । पादौ कुरुते सिद्धिं
 सर्वं वै तद्वदनु कुर्यात्पि गतिं नृणां । तेनैव नैव युक्ताः । इहैव नैव नैव । य
 रुगणविमलं । वदन्त्या तं यथा । वाजसाकेयिनो धविघटयुगलं । धाविनव
 मर्मसूत्रं । कौं कौं रुक्मावयन्ती रुद्ररुद्ररुद्रसिता चर्चयन्ती पिवन्ती । नृस्यन्ती

मनुष्या किलिमिलिविकिलाकोलिराषादिवनी ॥ साधुका कालदूया. यन
लव. पटहा. लाला. कावनादा. डलि. छानीलक. अमवसूद. दयाविन्दुमा
र्गप्रयका. रं. रं. रं. कावयनी. नववृधिवव. ४. खायमाना. सलील. जि. कोव
लालयनी. लललललल. लना. दावयनी. पिव. कि. ॥ रु. का. मा. न. दू. नी. छ. म. व. ग. न.
नू. गा. वि. इ. ना. दा. न. ली. ना. सि. दाना. सि. दि. दा. सा. य. न. म. य. न. क. ला. च. वि. ता. व. ग. म. म. म. व.

मंगल्यासा. कया. ला. ग. ग. न. य. व. न. यू. गा. पार्थिवाना. न्य. यू. का. घ. छ. छ. वि. इ. यू. का. अ.
कल. कल. ग. गा. ना. वि. नी. क. छ. ला. र. या. ॥ वि. र. या. ना. नू. ड. न. कि. ४. स. व. दि. न. ति. नि. व. र. ही. घ.
ली. रु. ड. काली. का. सी. कं. का. व. नू. या. अ. कल. कल. ग. गा. दा. घ. न. रु. ड. य. नी. ४. सा. म.
प्री. क. डि. का. र. या. द. द. उ. स. म. य. न. ह. ना. दि. धी. घ. मा. र्घ. ॥ वा. मू. अ. को. ल. मा. र्घ. क. ल.
व. न. स. म. य. को. लि. नी. का. छ. न. र. या. ॥ आ. र. या. ना. वा. म. मा. र्घ. प्र. क. ति. ग. नि. ल. य. मा. लि.

नीविन्दुदहा. डाघानममलारखाअकलकलमया. यागिनीवज्रविहाराधी
कल्लसंगसंकाप्रकवमूनिगलेचविताहीममूहिं४सादवीलाकमाताशि
वसकलमूरवामाहकानाथवक्र॥ श्रीकर॥ नार्यवीनी. वज्रयूगसहिता
म. अलिगमिकाखा. पी० स्कायूनयनीवक्रवकिगकलाकोलमारज
दितासाहीमाघीर्वक्रिकाखा. विविधगतियगा. अकनाप्रिप्रकावा.
तादवीनीमिरकांस्काप्रकटिगनिलया. यक्षकायनुयुकां॥ काली

कल्ललरूपाकलिनगननवाहीषणीरुक्मयनी. सामग्रीकजिकांवा
प्रकटयउमहाहानदिथोचमाय॥ डी हूं डी हूं डी हूं डी हूं डी हूं डी
हूं ४ हूं डी हूं अडिंदहि. सिद्धिंदहि हानंदहि. आयूषंदहि. धनंद
हि धन्यंदहि. लकींदहि. ०० मं महावलिं गुरु २ अमृतावद्यस्वाहा ॥
॥ समयवलि ॥ असर्वयी. भययी. भनि. दामायदावमवव ॥ कथायक

यसंदहा सर्वदिग्गसस्त्रिगा ॥ यागिनीयागवीनडा सर्वयसमागता ॥
हृदयवर्मसहावक्र. धीना. धववदामम ॥ यरुक्कासमनदद्या. गुवूया
दावतनगा ॥ सर्वसिद्धिप्रसादाम. दवीतधीरुवसदा ॥ वीनाधं यागिनी
नाथ. यदिषमि महीतल. ततगा रुवलिंदवि. समयावानमत्रक ॥ शु
नि ॥ स्मृतिर्मन ॥ पूष्टि. मा. म. म. दास्त्रिजीविग. निरु. रु. य. रु. इ. द. ना. या

गिनीगलसंकला ॥ डाकावादिषूयपी. अ. रु. य. ॥ सा. वा. ॥ प्रकीर्तिगा ॥ डा. व.
धी. वा. सु. सं. दा. रु. दि. ग. म. वि. दि. ग. म. रु. वा. ॥ म. ही. या. गा. ल. व. मा. ॥ १. ॥ सर्वस्त्राना. न.
व. व. व. ॥ यागिनीयागयूका. सा. समयतिष्ठति साधक ॥ वी. व. क. म. म. सू. वी. व.
दा ॥ स. ल. य. ति. रु. रु. द. व. ना ॥ सि. द्वा. य. य. य. का. अ. र्था. ॥ सा. ध. का. ॥ कि. ति. ग. यि. न.
॥ न. ग. व. वा. थ. वा. अ. म. ॥ अ. रु. द. या. म. व. नी. ध. व. व. वा. यी. कू. य. क. व. रु. क. वा. ॥ अ. म. न.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ हस्तकामहारेववायमहासमभनाधिपतस्वसैकिं गहिता
यस्वपनीवानाय ॐ मां पूषा धूपदीप्यं अलिपिगितनेवद्युक्त २ मम
सिद्धिं कुरुतु कुरुतु वलिगुक्त २ स्वाहा ॥ कस्वगद्यक कवर्नः आग्नेययी
भयप्रियूनाक क म हारेववाय ॥ ३ वस्तुजमस्तु ववर्नः आग्नेययी भयप्र
निजिक्ता कयपाल म हारेववाय ॥ ४ ० ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १०० १०१ १०२ १०३ १०४ १०५ १०६ १०७ १०८ १०९ ११० १११ ११२ ११३ ११४ ११५ ११६ ११७ ११८ ११९ १२० १२१ १२२ १२३ १२४ १२५ १२६ १२७ १२८ १२९ १३० १३१ १३२ १३३ १३४ १३५ १३६ १३७ १३८ १३९ १४० १४१ १४२ १४३ १४४ १४५ १४६ १४७ १४८ १४९ १५० १५१ १५२ १५३ १५४ १५५ १५६ १५७ १५८ १५९ १६० १६१ १६२ १६३ १६४ १६५ १६६ १६७ १६८ १६९ १७० १७१ १७२ १७३ १७४ १७५ १७६ १७७ १७८ १७९ १८० १८१ १८२ १८३ १८४ १८५ १८६ १८७ १८८ १८९ १९० १९१ १९२ १९३ १९४ १९५ १९६ १९७ १९८ १९९ २०० २०१ २०२ २०३ २०४ २०५ २०६ २०७ २०८ २०९ २१० २११ २१२ २१३ २१४ २१५ २१६ २१७ २१८ २१९ २२० २२१ २२२ २२३ २२४ २२५ २२६ २२७ २२८ २२९ २३० २३१ २३२ २३३ २३४ २३५ २३६ २३७ २३८ २३९ २४० २४१ २४२ २४३ २४४ २४५ २४६ २४७ २४८ २४९ २५० २५१ २५२ २५३ २५४ २५५ २५६ २५७ २५८ २५९ २६० २६१ २६२ २६३ २६४ २६५ २६६ २६७ २६८ २६९ २७० २७१ २७२ २७३ २७४ २७५ २७६ २७७ २७८ २७९ २८० २८१ २८२ २८३ २८४ २८५ २८६ २८७ २८८ २८९ २९० २९१ २९२ २९३ २९४ २९५ २९६ २९७ २९८ २९९ ३०० ३०१ ३०२ ३०३ ३०४ ३०५ ३०६ ३०७ ३०८ ३०९ ३१० ३११ ३१२ ३१३ ३१४ ३१५ ३१६ ३१७ ३१८ ३१९ ३२० ३२१ ३२२ ३२३ ३२४ ३२५ ३२६ ३२७ ३२८ ३२९ ३३० ३३१ ३३२ ३३३ ३३४ ३३५ ३३६ ३३७ ३३८ ३३९ ३४० ३४१ ३४२ ३४३ ३४४ ३४५ ३४६ ३४७ ३४८ ३४९ ३५० ३५१ ३५२ ३५३ ३५४ ३५५ ३५६ ३५७ ३५८ ३५९ ३६० ३६१ ३६२ ३६३ ३६४ ३६५ ३६६ ३६७ ३६८ ३६९ ३७० ३७१ ३७२ ३७३ ३७४ ३७५ ३७६ ३७७ ३७८ ३७९ ३८० ३८१ ३८२ ३८३ ३८४ ३८५ ३८६ ३८७ ३८८ ३८९ ३९० ३९१ ३९२ ३९३ ३९४ ३९५ ३९६ ३९७ ३९८ ३९९ ४०० ४०१ ४०२ ४०३ ४०४ ४०५ ४०६ ४०७ ४०८ ४०९ ४१० ४११ ४१२ ४१३ ४१४ ४१५ ४१६ ४१७ ४१८ ४१९ ४२० ४२१ ४२२ ४२३ ४२४ ४२५ ४२६ ४२७ ४२८ ४२९ ४३० ४३१ ४३२ ४३३ ४३४ ४३५ ४३६ ४३७ ४३८ ४३९ ४४० ४४१ ४४२ ४४३ ४४४ ४४५ ४४६ ४४७ ४४८ ४४९ ४५० ४५१ ४५२ ४५३ ४५४ ४५५ ४५६ ४५७ ४५८ ४५९ ४६० ४६१ ४६२ ४६३ ४६४ ४६५ ४६६ ४६७ ४६८ ४६९ ४७० ४७१ ४७२ ४७३ ४७४ ४७५ ४७६ ४७७ ४७८ ४७९ ४८० ४८१ ४८२ ४८३ ४८४ ४८५ ४८६ ४८७ ४८८ ४८९ ४९० ४९१ ४९२ ४९३ ४९४ ४९५ ४९६ ४९७ ४९८ ४९९ ५०० ५०१ ५०२ ५०३ ५०४ ५०५ ५०६ ५०७ ५०८ ५०९ ५१० ५११ ५१२ ५१३ ५१४ ५१५ ५१६ ५१७ ५१८ ५१९ ५२० ५२१ ५२२ ५२३ ५२४ ५२५ ५२६ ५२७ ५२८ ५२९ ५३० ५३१ ५३२ ५३३ ५३४ ५३५ ५३६ ५३७ ५३८ ५३९ ५४० ५४१ ५४२ ५४३ ५४४ ५४५ ५४६ ५४७ ५४८ ५४९ ५५० ५५१ ५५२ ५५३ ५५४ ५५५ ५५६ ५५७ ५५८ ५५९ ५६० ५६१ ५६२ ५६३ ५६४ ५६५ ५६६ ५६७ ५६८ ५६९ ५७० ५७१ ५७२ ५७३ ५७४ ५७५ ५७६ ५७७ ५७८ ५७९ ५८० ५८१ ५८२ ५८३ ५८४ ५८५ ५८६ ५८७ ५८८

मि वे ता व म हा रे व वा य ॥ ग त थ द ध न त व र्ज वा ले न पी भ य क लाला कम
हा रे व वा य ॥ ग य रु व र म य व र्ज वा यू व पी भ य क लाली स म हा रे व वा य ॥
य व ल व य व र्ज उ रु व पी भ य ही मा क म हा रे व वा य ॥ ग ग घ स रु क ण
व र्ज णी ण न पी भ य ही म रू य म हा रे व वा य ॥ ग कं अ ध पी भ व उ क पा द म
हा रे व वा य ॥ ग उं ड यी भ य म घा णू ल म हा रे व वा य म हा स्म मं ण ना धी य

त थ स्व ण कि स ही ना य स्व य वि वा ना य ॥ मीं पू षा धू प दी पं अ लि व लि ग रु
२ ने व यं म म सि डिं क रु रु रु उ रु रु स्वा हा ॥ रु उ का दि व लि ॥ लि थ रु थ थ
हा य क ॥ ग मूं अ णि ना म रे व वा य उ का य नी स कि स हि ना य प्रि या ग रु णा
धि य त य स झ य स ग ल य वि वा ना य ॥ मीं पू षा धू प दी पं ने व यं व लिं ग रु
२ स्वा हा ॥ ग कं नू नू रे व वा य मा रु स्व नी ण हि ना य व नू न रु णा धि क य ॥ ग वं

बहुते न वाय का मा त्रि सहि गाय का ल क ग धि फ य सी ग म य ॥ १ ॥ तं ड म रु
हे न वा य वा ला हि सहि गाय जं य कि क ग य धि फ य सी ग म य ॥ १ ॥ यं क य
ल म हा हे न वा य उ द्वा य नी सहि गाय व त्रि ण क ग धि फ य सी ग म य ॥ १ ॥
यं शी ष न हे न वा य वा मू ण सहि गाय उ का म कं के ग धि फ य सी ग म य ॥ १ ॥
सं सी हा न हे न वा य म हा ल क्री सहि गाय इ वी का ष्ट ग धि य ग य सी ग म य

स ग ण य त्रि वा वा य ० मां पृ ष्ठी धू य दी पं ने श यं व लि ण क २ स्वा हा व अ नि ता
ग म दि व लि ॥ ॥ १ ॥ अ न न अ य कं रु य ० उ वा न रु थे व व ० नु मू हि
० उ ल्का ४ व उ मा ण अ प ह द न ॥ अ मू का ६ फ का य ० ला वा द क ड ड
को १ त्र वा व ग यं ड य ० डी ष धी व ग थ य व ॥ अ न क का अ र्थ वा इ य क म ल
० ख लान ने ० ग म मू ख ० ये व य ० वा ० द न न यं यं ड धा व कं ॥ क ता क या ज